

**लोकमत** पुं. (तत्.) देश, समाज या लोक में रहने वाले अधिकतर या सभी लोगों की राय, विचार या मत, समाज के अधिकांश लोगों का ऐसा मत जो वर्ग विशेष का न होकर सभी वर्गों या समष्टि के विचार या हित की अनुकूलता का सूचक हो, जनता की राय। public opinion

**लोकमाता** स्त्री. (तत्.) 1. गौरी 2. लक्ष्मी।

**लोकयात्रा** स्त्री. (तत्.) 1. संसार में रहते हुए जीवन-यापन, लोक-आचरण, लोक-व्यापार या लोक-व्यवहार।

**लोकरंजन** पुं. (तत्.) 1. सभी सामाजिकों को संतुष्ट रखकर उनका विश्वास प्राप्त करना 2. सभी को प्रसन्न रखकर सुखी रखना वि. सभी को प्रसन्न एवं सुखी रखने वाला।

**लोकरंजनी** स्त्री. (तत्.) संगी. कर्नाटिकी पद्धति की एक रागिनी।

**लोक-रक्षक** पुं. (तत्.) लोक या समाज की रक्षा करने वाला व्यक्ति 1. राजा, नृप 2. शासक वि. सभी लोगों की रक्षा करने वाला।

**लोकल** वि. (अं.) किसी विशिष्ट गाँव, नगर आदि तक सीमित रहने वाला 2. नगर या गाँव की सीमा के भीतर होने वाला जैसे- लोकल पालिटिक्स, लोकल पोस्टकार्ड आदि। local politics, local post card

**लोकलीक** स्त्री. (तत्.) समाज या लोक में प्रचलित प्रथाएँ, रीतियाँ या लोक-मर्यादा।

**लोक-लोचन** पुं. (तत्.) सूर्य, भुवन भास्कर।

**लोक-वदंती** स्त्री. (तत्.) समाज में चलने वाली या प्रचलित चर्चा, अफवाह किंवदंती जनश्रुति।

**लोक-वाद** पुं. (तत्.) 1. कहावत 2. अफवाह 3. किंवदंती, जनश्रुति।

**लोकवार्ता** स्त्री. (तत्.) 1. परंपरागत धारणाओं, प्रथाओं, विश्वासों से संबंधित विचार एवं विवेचनपरक इतिहास, पुरातत्व आदि का अध्ययन 2. पारंपरिक मौखिक लोक साहित्य 3. जनश्रुति, किंवदंती 4. अफवाह।

**लोक-वास्तु** पुं. (तत्.) वह शासकीय विभाग जो समाज व लोक के हित में सड़कें, भवन, नहरें आदि बनाता है public works dep. 2. राजकीय विभागों तथा जनसाधारण के उपयोग के लिए निर्मित इमारतें, सड़कें आदि।

**लोकवाहक** पुं. (तत्.) जनसमुदाय का सामान ढोने वाली मोटर गाड़ियाँ तथा अन्य वाहन।

**लोकविरुद्ध** वि. (तत्.) 1. लोक में प्रचलित आचरण, कथन और कार्यकलापों के विरुद्ध, 2. जनमत के विरुद्ध 3. सभी से अलग या भिन्न मत रखने वाला।

**लोकविश्रुत** वि. (तत्.) संसार भर में प्रसिद्ध, जगतविख्यात।

**लोकवेद** पुं. (तत्.) वेदों के विधान के समान भारतीय लोक या जनमानस द्वारा आवश्यक, मान्य, प्रचलित पौराणिक और सामाजिक आचार-विचार

**लोक-व्यवहार** पुं. (तत्.) 1. समाज में परस्पर मेलजोल बनाए रखने के लिए किए जाने वाला व्यवहार, लोकाचार 2. सामाजिक मर्यादा के अनुकूल किया जाने वाला व्यवहार।

**लोकशांति** स्त्री. (तत्.) किसी तरह के उपद्रव, उत्पात तथा लड़ाई-झगड़े से रहित समाज या लोक की स्थिति या शांतिपूर्ण अवस्था। public peace

**लोकशासन** पुं. (तत्.) राज्य या देश की ऐसी सरकार या शासन जो लोकमत के अनुसार चलती है, जनतंत्र।

**लोक-श्रुति** स्त्री. (तत्.) जनश्रुति, अफवाह।

**लोकसंग्रह** पुं. (तत्.) 1. लोगों को अपने पक्ष में रखना 2. समाज में सभी लोगों को प्रसन्न रखते हुए संगठित रखना 3. समाज के सभी लोगों के हित या कल्याण का ध्यान रखना।

**लोक संग्रही** वि. (तत्.) सभी सामाजिक लोगों को प्रसन्न तथा संगठित रखने वाला।

**लोक संस्कृति** स्त्री. (तत्.) संस्कृति से संबंधित सामान्य जन समुदाय में प्रचलित सैद्धांतिक मूल्य एवं बातें।